न्यूज़ टुडे

नेपाल के प्रधान मंत्री ने भारत की यात्रा की और कई महत्वपूर्ण समझौतों को संपन्न किया

- पांचवीं बार **नेपाल के प्रधानमंत्री बनने के बाद शेर बहादुर देउबा की यह पहली भारत यात्रा** थी। इस यात्रा के दौरान कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर निर्णय लिए गए।
- **यात्रा के दौरान लिए गए प्रमुख निर्णय**
  - **रेलवे: बिहार के जयनगर को नेपाल के कुर्था** से जोड़ने वाली 35 किलोमीटर लंबी सीमा पार रेलवे लाइन की शुरुआत की गई। यह दोनों देशों के बीच पहली ब्रॉड–गेज यात्री रेल संपर्क सेवा है।
  - **विद्युत:** भारत ने **सोलु कॉरिडोर** नेपाल को सौंप दिया है। **यह 90–किमी लंबी और 132 kV क्षमता वाली विद्युत ट्रांसमिशन लाइन है।** इसे **भारतीय लाइन ऑफ क्रेडिट** के तहत निर्मित किया गया है।
    - वर्ष 2017 में **कटैया–कुसाहा और रक्सौल–परवानीपुर सीमा पार विद्युत ट्रांसमिशन लाइनों** का उद्घाटन किया गया था।
  - दोनों पक्ष **पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना** के कार्यान्वयन में तेजी लाएंगे।
    - वर्ष 2017 में दोनों पक्षों ने मेची नदी पर एक पुल के निर्माण के लिए एक समझौता किया था। यह पुल **एशियाई विकास बैंक के 'दक्षिण एशियाई उप–क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग सड़क कनेक्टिविटी कार्यक्रम (South Asian Sub-Regional Economic Cooperation road connectivity programme)** का हिस्सा है।
  - नेपाल, भारत के नेतृत्व वाले **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन** में शामिल हुआ।
  - नेपाल में **भारत के रुपे (RuPay) कार्ड को लॉन्च** किया गया।
    - रुपे कार्ड का संचालन **भूटान, सिंगापुर और UAE** में पहले से ही जारी है।
- **नेपाल के प्रधान मंत्री ने दोनों देशों के बीच सीमा विवाद का मुद्दा भी उठाया।**
  - **कालापानी** भारत, नेपाल और चीन के त्रिसंगम (trijunction) पर स्थित है। इस पर भारत का नियंत्रण है। लेकिन, नेपाल ऐतिहासिक तौर पर और मानचित्र के अनुसार इस क्षेत्र पर अपना दावा करता है।

लद्दाख में अभयारण्यों की सीमाओं को युक्तिसंगत बनाया जाएगा

- लद्दाख **के चांगथांग और काराकोरम अभयारण्य** भारत–चीन सीमा पर स्थित हैं। लद्दाख ने इनके उचित मानचित्रण व सीमा पहचान के मुद्दे को प्राथमिक चिंता का विषय माना है।
  - **भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)** को 'उच्च संरक्षण मूल्य' वाले क्षेत्रों का **मानचित्र तैयार करने और इनकी पहचान करने के लिए कहा गया है।** इससे आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त भूमि को जोड़कर या हटाकर सीमाओं को युक्तिसंगत बनाने में मदद मिलेगी।
- **चांगथांग वन्यजीव अभयारण्य** केंद्र शासित प्रदेश **लद्दाख के लेह जिले में लद्दाखी चांगथांग पठार** पर स्थित है।
  - **झीलें:** यहाँ **बहुत अधिक ऊंचाई पर स्थित झीलें** पायी जाती हैं। ये झीलें हैं– **त्सो मोरीरी, पैंगोंग त्सो और त्सो कर।**
  - **जीव–जंतु:** यहां पाए जाने वाले प्रमुख जंतुओं में शामिल हैं– किआंग या तिब्बती जंगली गधा, डार्क–नेक्ड क्रेन आदि।
  - यहां **कोरज़ोक गाँव** स्थित है। इसे **विश्व में सर्वाधिक ऊंचाई पर स्थित गाँव** भी माना जाता है।
- **काराकोरम (नुब्रा श्योक) वन्यजीव अभयारण्य** लेह जिले में **काराकोरम रेंज के सबसे पूर्वी छोर में ऊंचाई पर स्थित है।**
  - **जीव–जंतु:** यह अभयारण्य **चिरू या तिब्बती मृग,** तिब्बती गजैल, हिमालयी आइबेक्स, शापो, भड़ल (हिमालयी नीली भेड़), जंगली याक, हिम तेंदुआ आदि का पर्यावास स्थल है।
  - यह उत्तर और दक्षिण में चीन एवं पाकिस्तान से घिरा हुआ है, जबकि काराकोरम रेंज इसके उत्तर की ओर स्थित है।

सामरिक प्रभाव वाला निर्णय

काराकोरम (नुब्रा श्योक) और चांगथांग अधिक ऊंचाई वाले वन्यजीव वन्यजीव अभयारण्य हैं। यहां दुर्लभ जीव और वनस्पतियां पायी जाती हैं।

भारत–चीन सीमा के निकट सड़कों या चौकियों के निर्माण के लिए सशस्त्र बलों, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) और सीमा सड़क संगठन (BRO) को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से मंजूरी लेनी पड़ती है।

मार्च 2021 में, चांगथांग वन्यजीव अभयारण्य की भूमि को चुशूल, हॉट स्प्रिंग, चुमार, डुंगटी, धन सिंह, PP 16, सिलुंग ला, हेनले, लुकुंग, बाओ नाला और अन्य आसपास के क्षेत्रों में 24 चौकियां बनाने के लिए आवंटित किया गया था।

वन्यजीव बोर्ड ने अगस्त 2021 में भारत–चीन सीमा पर एक दर्जन सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी थी। अक्टूबर 2021 में भी कुछ अन्य सड़कों को स्वीकृति दी गई थी।

इनमें पैंगोंग त्सो के आसपास की सड़कों के साथ–साथ काराकोरम अभयारण्य के निकट सासेर ब्रांगसा गैपशन सड़क भी शामिल है। यह भारत की सबसे ऊंची हवाई पट्टी दौलत बेग ओल्डी के लिए एक वैकल्पिक मार्ग है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास/PM VIKAS) योजना को मंजूरी प्रदान की है

- पीएम विकास, **अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की योजना** है। यह योजना **अल्पसंख्यकों के सामाजिक–आर्थिक–शैक्षिक सशक्तीकरण पर केंद्रित है।** इसके तहत **कारीगर समुदायों, महिलाओं और युवाओं पर** विशेष ध्यान दिया जाएगा।
  - इस योजना के कुल लक्ष्यों में से **कम से कम 33% महिलाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं।** इस योजना के घटकों में से एक का उद्देश्य विशेष रूप से **महिलाओं को उद्यमिता और नेतृत्व संबंधी सहायता** प्रदान करना है। इसके तहत इच्छुक महिला उद्यमियों को उद्यमिता विकास के लिए गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
    - उद्यमियों के रूप में प्रशिक्षित इन महिलाओं में से 10% को उनके नेतृत्व गुणों के आधार पर बिजनेस मेंटर के रूप में भी चुना जाएगा।
- **अल्पसंख्यकों के लिए कौशल विकास और रोजगार से संबंधित अन्य कार्यक्रम**
  - **नई मंजिल:** इसके तहत औपचारिक शिक्षा (कक्षा आठवीं या दसवीं) और कौशल प्रदान किया जाता है। इसका उद्देश्य लाभार्थियों को बेहतर रोजगार एवं आजीविका प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।
  - **नई रोशनी योजना:** इसका उद्देश्य अल्पसंख्यक महिलाओं को सशक्त बनाना और उनमें विश्वास को बढ़ाना है। इसके तहत महिलाओं में नेतृत्व के विकास के लिए ज्ञान, साधन और तकनीक प्रदान की जाती है।
  - **विकास के लिए पारंपरिक कलाओं/शिल्पों में कौशलों का उन्नयन एवं प्रशिक्षण अर्थात उस्ताद (Upgrading the Skill and Training in Traditional ArtseCrafts for Development: USTTAD) योजना** को भी आरंभ किया गया है।
  - **गरीब नवाज स्व–रोजगार योजना:** इसके तहत अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं हेतु अल्पकालिक रोजगार उन्मुख कौशल विकास पाठ्यक्रम का उपबंध किया गया है। इससे उन्हें कौशल आधारित रोजगार के लिए सक्षम बनाया जाएगा।
  - **बैकअप टू ब्रिलिएंस नीति** अपनायी गयी है।
  - **प्रधान मंत्री जन विकास कार्यक्रम** का देश भर में विस्तार किया गया है।
  - **हुनर हाट** को आयोजित किया जाता है।
  - **'सीखो और कमाओ'** योजना को आरंभ किया गया है ।

राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि भारत मध्य एशिया में निवेश करने और कनेक्टिविटी स्थापित करने लिए तैयार है

- भारत के राष्ट्रपति मध्य एशियाई देश **तुर्कमेनिस्तान** की यात्रा पर हैं। इस दौरान उन्होंने दोहराया कि **मध्य एशियाई देशों के साथ कनेक्टिविटी भारत के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता है।**
  - उन्होंने तुर्कमेनिस्तान के **अश्गाबात** में इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल रिलेशन्स में एक **'इंडिया कॉर्नर'** का भी उद्घाटन किया।
- **मध्य एशिया के साथ भारत के संबंध**
  - मध्य एशिया भारत के **विस्तारित पड़ोस** का हिस्सा है। मध्य एशिया के अधिकांश देशों के साथ भारत के **रणनीतिक संबंध** हैं।
  - जनवरी 2022 में, भारत ने **प्रथम भारत–मध्य एशिया शिखर सम्मेलन** की मेजबानी की थी।
    - इसे भारत और मध्य एशिया के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया था।
  - भारत **'अंतर्राष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारे' (International North-South Transport Corridor: INSTC)** और **अश्गाबात समझौते,** दोनों का सदस्य है।
  - भारत ने **ईरान में चाबहार बंदरगाह** के माध्यम से कनेक्टिविटी का विस्तार करने के लिए कदम उठाए हैं। यह बंदरगाह मध्य एशियाई देशों के लिए समुद्र तक **सुरक्षित, व्यवहार्य और निर्बाध पहुंच** प्रदान करेगा।
  - विदेश मंत्रियों के स्तर का **भारत–मध्य एशिया संवाद** वर्ष 2019 से प्रतिवर्ष आयोजित किया जा रहा है।
  - भारत मध्य एशिया में सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए **उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं** का संचालन करेगा। इसलिए, भारत ने इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु अनुदान सहायता प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
  - हाल ही में, भारत–तुर्कमेनिस्तान ने निम्नलिखित क्षेत्रों में **चार समझौता ज्ञापनों/सहयोग कार्यक्रम** पर हस्ताक्षर किए हैं:
    - आपदा प्रबंधन,
    - वित्तीय आसूचना,
    - संस्कृति और
    - युवा मामले।

भारत एवं ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (Economic Cooperation and Trade Agreement: ECTA) पर हस्ताक्षर किए

- भारत–ऑस्ट्रेलिया ECTA, लगभग एक दशक के बाद किसी **विकसित देश के साथ भारत का पहला व्यापार समझौता** है।
- **समझौते की मुख्य विशेषताएं**
  - **भारत,** ऑस्ट्रेलिया से उसे निर्यात की जाने वाली **85% से अधिक वस्तुओं पर प्रशुल्कों (traiffs) को समाप्त कर देगा।** साथ ही, इस व्यवस्था के तहत अगले **10 वर्षों में इस निर्यात को 91% तक बढ़ा** दिया जाएगा।
  - भारत से निर्यात की जाने वाली **96 प्रतिशत** भारतीय वस्तुओं को ऑस्ट्रेलिया अपने बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच (जीरो–ड्यूटी एक्सेस) प्रदान करेगा। इनमें इंजीनियरिंग वस्तुएं, रत्न और आभूषण, वस्त्र, परिधान तथा चमड़े जैसे मुख्य क्षेत्रकों के उत्पाद शामिल हैं।
  - इसके तहत अगले **पांच वर्षों** में शुल्क मुक्त पहुंच का विस्तार **भारत से निर्यात की जाने वाली 100 प्रतिशत वस्तुओं** तक कर दिया जायेगा।
  - विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) में **भारतीय स्नातकों** को **अध्ययन के बाद वर्क वीजा** दिया जाएगा।
  - ऑस्ट्रेलिया अपने **घरेलू कर कानून में संशोधन** करने पर सहमत हो गया है। इसके तहत ऑस्ट्रेलिया में तकनीकी सेवाएं प्रदान करने वाली **भारतीय कंपनियों की ऑफशोर इनकम (दूसरे देश में अर्जित आय) पर कराधान व्यवस्था को समाप्त किया जाएगा।**
- **भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंधों का महत्व**
  - चालू वित्त वर्ष में ऑस्ट्रेलिया, **भारत का 17वां सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है।** वहीं **भारत, चालू वित्त वर्ष में ऑस्ट्रेलिया का 9वां सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है।**
  - दोनों देशों के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी है।
  - दोनों देश असैन्य परमाणु सहयोग समझौते पर भी हस्ताक्षर कर चुके हैं।
  - दोनों देशों के बीच नियमित रूप से सैन्य अभ्यास (जैसे AUSINDEX) आयोजित किए जाते हैं।

- ECTA से द्विपक्षीय वस्तु एवं सेवा व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। इस समझौते से अगले पांच वर्षों में 45–50 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार होने की संभावना है। मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार लगभग 27 अरब डॉलर है।
- यह समझौता भारत में **दस लाख से अधिक रोजगार** के अवसर पैदा करेगा।

कानून मंत्री ने स्पष्ट किया है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) अब वास्तव में अपना कर्तव्य निभा रहा है, यह अब "पिंजरे में बंद तोता" नहीं है

- हाल ही में, कानून मंत्री ने भारत की शीर्ष जांच एजेंसी के रूप में CBI की **उच्च पेशेवर कार्यप्रणाली** और उच्च दोषसिद्धि दर (लगभग 70%) के लिए प्रशंसा की है। उनके अनुसार लोग इस एजेंसी पर विश्वास करते हैं।
  - CBI को **रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार** के मामलों की जांच के लिए एक केंद्रीय एजेंसी के रूप में देखा जाता है।
  - वर्ष 2013 में, उच्चतम न्यायालय ने केंद्र द्वारा CBI की कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप (कोयला घोटाला मामले में) के कारण इसे **'पिंजरे का तोता'** कहा था।
- **CBI से संबंधित समस्याएं**
  - यह एजेंसी प्रधान मंत्री कार्यालय के तहत कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के **कार्मिक विभाग** को रिपोर्ट करती है। इसलिए, इसे **पूर्ण सांविधिक दर्जा प्राप्त नहीं** है। साथ ही, इसकी स्वायत्तता पर भी प्रश्न उठते रहे हैं।
    - **CBI, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन (DSPE) अधिनियम 1946** से अपनी शक्तियां प्राप्त करती है। इस अधिनियम का **प्राथमिक क्षेत्राधिकार दिल्ली और अन्य केंद्र शासित प्रदेशों तक सीमित है।**
  - कुछ राज्यों ने **सामान्य सहमति (जनरल कंसेंट) को वापस ले लिया** है।
    - सामान्य सहमति के अभाव में, CBI को जांच के लिए राज्य सरकार से मामला दर मामला आधार पर सहमति लेने की आवश्यकता होती है।
  - आंतरिक विवादों और कुछ मामलों में निष्क्रियता के कारण इस संस्था की **विश्वसनीयता का मुद्दा** भी समय-समय पर उठता रहा है।
    - वर्ष 2018 में CBI निदेशक और विशेष निदेशक के बीच आंतरिक विवाद एक ऐसा ही मामला था।

अन्य सुर्खियाँ

पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान)	○ इस योजना के अंतर्गत सरकार कुछ अपात्र किसानों की पहचान करने के लिए **डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक** का उपयोग कर रही है। ये अपात्र किसान आयकर का भुगतान करते हैं, लेकिन योजना के तहत लाभ प्राप्त कर रहे हैं। ➢ यह योजना **गरीब और सीमांत किसानों के लिए है। इसमें आयकर का भुगतान करने वाले किसान शामिल नहीं हैं।** ○ पीएम-किसान के तहत सभी भूमिधारक किसान परिवारों को **तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये की आय सहायता प्रदान** की जाती है। ○ पात्र परिवारों की पहचान करने के लिए राज्य सरकारें उत्तरदायी हैं।
स्प्लिंटरनेट (Splinternet)	○ **रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण इंटरनेट के खंडित होने की संभावना है।** ➢ स्प्लिंटरनेट का अर्थ 'देशों द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों से कंटेंट को फ़िल्टर करने या पूरी तरह से अवरुद्ध करने के कारण इंटरनेट का तेजी से खंडित होना है।' ○ **उदाहरण:** ➢ चीन का **'ग्रेट फायरवॉल'** स्वदेशी रूप से विकसित ऑनलाइन सेवाओं को प्रोत्साहित करता है। इस प्रकार यह अमेरिकी तकनीकी दिग्गजों को बाहर रखता है। ➢ **रूस** ने वर्ष 2019 में, **संप्रभु इंटरनेट कानून** या ऑनलाइन आयरन कर्टन पारित किया था। इसने देश को शेष विश्व से अपना इंटरनेट डिस्कनेक्ट करने में सक्षम बनाया है।
निवासी लेकिन सामान्य रूप से निवासी नहीं (Resident but Not Ordinarily Resident: RNOR)	○ यह **आयकर कानून** के तहत आवासीय स्थिति की एक श्रेणी है। RNOR एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है, जो सामान्य निवासी के रूप में पात्र नहीं है। ○ इसमें वह व्यक्ति शामिल है, जो ➢ देश में 120 दिनों से अधिक लेकिन 182 दिनों से कम दिन रहा हो; और ➢ भारत में मौजूद अपनी परिसंपत्ति से 15 लाख रुपये या उससे अधिक अर्जित करता है।
उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना	○ केंद्र विशेष इस्पात (SS) के लिए PLI योजना में संशोधन करने पर विचार कर रहा है। ➢ SS, इस्पात निर्माण प्रक्रिया के दौरान प्राप्त **मूल्य वर्धित उत्पाद है।** ➢ हालांकि, SS की कोई **सार्वभौमिक परिभाषा नहीं है।** ○ 'विशेष इस्पात (स्पेशियलिटी स्टील)' के लिए PLI योजना का उद्देश्य वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके **देश के भीतर विशेष इस्पात ग्रेड के निर्माण को बढ़ावा** देना है। ➢ **SS – कोटेड/प्लेटेड इस्पात उत्पाद, उच्च शक्ति/ घिसाव रोधी इस्पात, विशेष रेलिंग, मिश्र धातु इस्पात उत्पाद, इस्पात की तारों और इलेक्ट्रिकल स्टील की पांच श्रेणियों** को शामिल करता है।
गैर-राज्य संस्थाओं की शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्रतिबद्धताओं पर उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समूह	○ इस जलवायु टीम में एक भारतीय अरुणाभा घोष को भी शामिल किया गया है। ➢ मार्च 2022 में संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समूह का गठन किया था। ➢ यह समूह एक कार्य-योजना तैयार करेगा। साथ ही, व्यवसायों तथा गैर-राज्य अभिकर्ताओं को शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की स्थिति प्राप्त करने में तेजी लाने के लिए कार्रवाई करने की सिफारिश करेगा।

मधुमेह	❍ अमेरिका और कनाडा के बाद भारत में मधुमेह की दवा से संक्रमण का पहला मामला सामने आया है। ❍ मधुमेह एक लंबी बीमारी है। यह तब होती है, जब **अग्न्याशय पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नामक हार्मोन का उत्पादन नहीं करता है। इंसुलिन रक्त में शर्करा की मात्रा को नियंत्रित करता है।** ➢ **टाइप 1 मधुमेह**– इंसुलिन पर निर्भर तथा किशोरावस्था में या बचपन से शुरू। इसमें **इंसुलिन का कम उत्पादन** होता है। इसके लिए दैनिक रूप से इंसुलिन की आवश्यकता होती है। ➢ **टाइप 2 मधुमेह**– इंसुलिन पर निर्भर नहीं है। वयस्क आयु में शुरुआत। **शरीर द्वारा इंसुलिन के अप्रभावी उपयोग** के परिणामस्वरूप होता है। ■ मधुमेह से ग्रसित 95% से अधिक लोगों को टाइप 2 मधुमेह है। ❍ **राष्ट्रीय मधुमेह रोकथाम कार्यक्रम,** टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम या देरी से प्रभावी होने के लिए कार्य कर रहा है।
वित्त वर्ष 2022 में कॉफी का निर्यात 42% बढ़ा	❍ कॉफी मुख्य रूप से एक **निर्यात की जाने वाली मद** है। देश में उत्पादित कॉफी का **65 से 70% निर्यात** किया जाता है। ❍ भारत में कॉफी की **दो मुख्य किस्में (अरेबिका और रोबस्टा) उगाई** जाती हैं। ➢ **क्षेत्र:** पारंपरिक रूप से **कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में विस्तारित पश्चिमी घाट में उगाई** जाती है। लेकिन अब **आंध्र प्रदेश, ओडिशा और उत्तर पूर्व के राज्यों** में भी इसका विस्तार हो रहा है। ➢ **मृदा:** अच्छी तरह से अपवाहित, थोड़ी अम्लीय और कार्बनिक पदार्थों से समृद्ध। ➢ **तापमान:** 15–25 डिग्री सेल्सियस (अरेबिका के लिए) और 20–30 डिग्री सेल्सियस (रोबस्टा के लिए)।
मैन–पोर्टेबल एयर–डिफेंस सिस्टम (MANPADS)	❍ हाल ही में, भारतीय थल सेना ने **रूस से प्राप्त इग्ला–एस सिस्टम** को सेना में शामिल किया है। ❍ इग्ला–एस (इग्ला–सुपर) एक बहुत ही कम दूरी की **वायु रक्षा प्रणाली** है। यह बहुस्तरीय वायु रक्षा नेटवर्क में शत्रु देश के लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों के विरुद्ध **रक्षा की अंतिम पंक्ति** के रूप में कार्य करती है। ➢ इसकी अधिकतम सीमा 6 कि.मी. है। इसे कंधे पर रखकर दागा जाता है। यह निचली–उड़ान वाले विमानों और हेलीकॉप्टरों को निष्क्रिय कर देती है।
विक्रम संवत	❍ हाल ही में, प्रधानमंत्री ने लोगों को **नव संवत्सर (नववर्ष) अर्थात् विक्रम संवत 2079** की शुरुआत पर बधाई दी। ❍ विक्रम संवत चंद्र वर्ष पर आधारित एक पंचांग (कैलेंडर) है। इसे उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने 57 ईसा पूर्व (शून्य वर्ष) में शकों पर अपनी विजय के उपलक्ष्य में शुरू किया था।
अट्टापदी (Attappady)	❍ **केरल और तमिलनाडु** में अट्टापदी पहाड़ियों से प्रवाहित होने वाली तीन नदियों के किनारे प्रागैतिहासिक कालीन अवशेष खोजे गए हैं। ➢ अट्टापदी केरल के **पलक्कड़ जिले** में एक जनजातीय क्षेत्र है। इसमें **इरुला, मुदुगा और कुरुंबा नामक** जनजातियां निवास करती हैं। ❍ **पुरातात्विक खोजों में शामिल हैं**– पत्थर के औजार, अधिवासित गुफाएं, मेन्हिर, सिस्ट या समाधि कक्ष, पत्थर के घेरे, दफन कलश, काले और लाल मिट्टी के बर्तन, टेराकोटा की मूर्तियां, पत्थर पर नक्काशी तथा ग्रेनाइट पत्थर पर अभिलेख।

8468022022, 9019066066
www.visionias.in
/c/VisionIASdelhi /Vision_IAS /visionias_upsc /VisionIAS_UPSC
दिल्ली लखनऊ जयपुर हैदराबाद पुणे अहमदाबाद चड़ीगढ गुवाहटी